

---

# Shri Dharmashastu Pancharatna

श्रीधर्मशास्त्रः पञ्चरत्नम्

## Document Information

---

Text title : dharmashastuHpancharatnam

File name : dharmashastu.itx

Category : deities\_misc, ayyappa, stotra

Location : doc\_deities\_misc

Transliterated by : Sunder Hattangadi

Proofread by : Sunder Hattangadi, PSA Easwaran

Latest update : July 10, 2021

Send corrections to : Sanskrit@cheerful.com

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

July 10, 2021

*sanskritdocuments.org*

---

---

# Shri Dharmashastu Pancharatna

---

## श्रीधर्मशास्त्रः पञ्चरत्नम्

---



लोकवीरं मडापूज्यं सर्वरक्षाकरं विभुम् ।  
पार्वतीदुदयानन्दं शास्तारं प्रणामाम्यहम् ॥ १ ॥

विप्रपूज्यं विश्ववन्द्यं विष्णुशम्भोः प्रियं सुतम् ।  
क्षिप्रप्रसादनिरतं शास्तारं प्रणामाम्यहम् ॥ २ ॥

मत्तमातङ्गगमनं कारुण्यामृतपूरितम् ।  
सर्वविघ्नहरं देवं शास्तारं प्रणामाम्यहम् ॥ ३ ॥

अस्मद्दुलेश्वरं देवमस्मच्छत्रुविनाशनम् ।  
अस्मद्विष्टप्रदातारं शास्तारं प्रणामाम्यहम् ॥ ४ ॥

पाण्ड्येशवंशतिलकं केरले केविविग्रहम् ।  
आर्तत्राणपरं देवं शास्तारं प्रणामाम्यहम् ॥ ५ ॥

पञ्चरत्नाप्यमेतद्यो नित्यं शुद्धः पठेन्नरः ।  
तस्य प्रसन्नो भगवान् शास्ता वसति मानसे ॥

॥ इति श्री धर्मशास्त्रःपञ्चरत्नं समाप्तम् ॥

Encoded by Sunder Hattangadi

Proofread by Sunder Hattangadi, PSA Easwaran

---

---

*Shri Dharmashastu Pancharatna*

pdf was typeset on July 10, 2021

---

Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

